भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3172

06.08.2021 को उत्तर के लिए

जंगली पादप संसाधनों संबंधी अध्ययन

3172. श्री प्रतापराव जाधव :
श्री बिद्युत बरन महतो :
श्री मनोज तिवारी :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री चंद्र शेखर साहू :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :
श्री रविन्दर कुशवाहा :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :
श्री सुब्रत पाठक :
श्री रवि किशन :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण (बीएसआई) देश के जंगली पादप संसाधनों के बारे में वर्गिकीय/पुष्प संबंधी अध्ययन कर रहा है और यदि हां, तो उक्त अध्ययनों का ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे;

(ख) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान बीएसआई द्वारा आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) बीएसआई के विभिन्न केंद्रों के क्रियाकलापों का ब्यौरा क्या है और उक्त अवधि के दौरान उनकी उपलब्धियां क्या हैं;

(घ) क्या इस अवधि के दौरान, विशेषकर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान बीएसआई को अपने उद्देश्यों और अधिदेशों को पूरा करने में किसी प्रकार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक/ उपचारात्मक कार्रवाई की गई है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) जी हां। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) वनस्पति वर्गिकी के क्षेत्र में एक शीर्ष वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन होने के नाते देश में वन्य पौधों संसाधनों पर वर्गिकीय/वानस्पतिक अध्ययन करने में सक्रिय रूप से शामिल है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत बीएसआई के वैज्ञानिक परिणामों का विवरण **अनुबंध-I** में संलग्न है।

(ख) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में प्रत्येक वर्ष के दौरान बीएसआई द्वारा आवंटित और उपयोग की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.सं.	वर्ष	बी.ई. (करोड़ में)	जारी की गई निधियां (करोड़ रू. में)	उपयोग की गई निधियां (करोड़ रू. में)
1.	2018-19	70.80	70.80	67.29
2.	2019-20	76.00	76.00	72.11
3.	2020-21	76.00	63.13	61.83
4.	2021-22	72.00	72.00	22.54 (31.07.2021 तक)

(ग) उक्त अवधि के दौरान बीएसआई के विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियों के साथ-साथ उनकी उपलब्धियों का विवरण **अनुबंध-II** में है। (वार्षिक रिपोर्टों में उपलब्ध परियोजनाओं के विवरण बीएसआई की वेबसाइट (bsi.gov.in) पर अपलोड है।)

(घ) और (ड.) मौजूदा कोविड स्थिति और निधियन की कमी के कारण विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हुई है और प्रस्तावित क्षेत्र अन्वेषण नहीं किया जा सका। कोविड-19 तालाबंदी के कारण बाह्य रूप से वित्त पोषित परियोजनाओं और बीएसआई के कुछ बाह्यस्थाने संरक्षण कार्यक्रमों के लक्षित उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया जा सका।

हालांकि, महामारी के बावजूद, कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए बीएसआई ने वर्ष 2020-21 के लिए स्थानीय क्षेत्र सर्वेक्षण शुरू किए हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान अब तक 15 स्थानीय क्षेत्र सर्वेक्षण किए जा चुके हैं।

*****

अनुबंध-I

लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3172, जिसका उत्तर 06.08.2021 को दिया जाना है, के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित विवरण

निम्नलिखित क्षेत्रों में बीएसआई की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को यहां निम्नवत दर्शाया गया है :

प्रमुख अधिदेश के अनुसार, बीएसआई देश के पुष्प संसाधनों के व्यापक सर्वेक्षण, अन्वेषण और प्रलेखन के माध्यम से वनस्पति वर्गिकी में अनुसंधान करता है। इस संबंध में अब तक, बीएसआई ने देश के लगभग 70 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रों की पूरी तरह से अन्वेषण कर लिया है, जबकि 30 प्रतिशत क्षेत्र की या अन्वेषण के अधीन है या अन अन्वेषित है।

पुष्प सूचना के प्रलेखन के लिए, बीएसआई ने अब तक पुस्तकों के लगभग 340 शीर्षक, अपनी सरकारी पत्रिका 'नेलुम्बो' के 63 खंड (2500 से अधिक वैज्ञानिक शोध पत्र सहित), फ्लोरा ऑफ इंडिया चेकलिस्ट के 3 खंड, (जिसमें 269 प्रजातियों और 2868 जेनेरा से संबंधित एन्जीओस्पर्म के 21,756 वर्गिकी के अद्यतन, स्वीकृत नाम शामिल हैं) प्रकाशित किए हैं। इसके अलावा, ऐलगाई आफ इंडिया चेकलिस्ट के 4 खंड जिनमें 4425 शैवाल प्रजातियां, 1232 साइनोबैक्टीरिया 865 माइक्रो शैवाल और 2777 डायटम शामिल हैं प्रकाशित किए हैं; फुगी के 15447 वर्गिकी लीचेनस आफ इंडिया के 2 खंड जिसमें लीचनेस के 2917 वर्गिकी शामिल है, सिक्किम के मैक्रो लीचेनस का 1 खंड हार्नवार्ट आफ इंडिया एक एनोटेट चेकलिस्ट, जिसमें ब्रायोफाइट्स के 2786 वर्गिकी शामिल है; जिम्नोस्पर्म के 82 वर्गिकी वाला जिम्नोस्पर्म चेकलिस्ट का प्रलेखन किया है। बीएसआई ने विभिन्न वनस्पति प्रजातियों और वनस्पति समूहों पर 30 फासीकल्स भी प्रकाशित किए हैं। इसके अलावा, फ्लोरा आफ इंडिया परियोजना को पूरा करने की दिशा में, बीएसआई पहले ही फ्लोरा आफ इंडिया के 10 खंड प्रकाशित कर चुका है और 15 खंडों का संकलन भी कर चुका है।

इसके अलावा, बीएसआई ने 1671 फलियां, 1256 आर्किड, 4395 टैक्सा के साथ स्थानीय संवहनी वनस्पति, 2436 प्रजातियों वाले द्वीप 7500 से अधिक प्रजातियों वाले उत्तर-पूर्वी राज्य का प्रलेखन किया है। ठंडे मरूस्थल जैसी संवेदनशील पारि-प्रणाली 1615 टैक्सा का योगदान करते हैं जबकि गर्म मरूस्थल 682 टैक्सा का योगदान करते हैं, का प्रकाशन किया गया है।

28 राज्य और 9 संघ शासित राज्यों में से बीएसआई 49 खंडों 28 राज्यों और 3 संघ शासित राज्यों के वनस्पतियों का प्रलेखन और प्रकाशन किया है। राष्ट्रीय उद्यानों और जीवमंडल रिजर्व सहित 114 संरक्षित क्षेत्रों का पुष्प सर्वेक्षण भी पूरा कर लिया गया है। 2256 जेनेरा और 238 प्रजातियों से संबंधित 10,289 टैक्सा वाले हिमालयी वनस्पतियों की एक सचित्र मार्गदर्शिका भी बीएसआई द्वारा प्रकाशित की जाती है।

****

अनुबंध-II

लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3172, जिसका उत्तर 06.08.2021 को दिया जाना है, के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

2018-21 की अवधि (आज तक) के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों की वैज्ञानिक उपलब्धियां

क्र.सं.	क्षेत्र	केन्द्र का नाम	किए गए कार्य की संख्या
1.	अन्वेषण	एजेसी बोस आईबीबीजी, हावड़ा	11
		ए एंड एन क्षेत्रीय केंद्र	16
		एपी क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर	17
		एआरआईडी जोन, आरसी, जोधपुर	07
		सीएनएच, हावड़ा	25
		सीआरसी, इलाहाबाद	12
		डीआरसी, हैदराबाद	29
		ईआरसी, शिलांग	35
		एचएडब्ल्यू हिमालयन आरसी, सोलन	15
		एनआरसी, देहरादून	23
		सिक्किम एचआरसी, गंगटोक	13
		एसआरसी, कोयंबटूर	38
		डब्ल्यूआरसी, पुणे	21
		इंडस्ट्रियल सेक्शन इंडिया म्यूजियम कोलकाता	शून्य
		प्रकाशन/तकनीकी प्रभाग, मुख्यालय कोलकाता	03
		*बाहरी रूप से निधिबद्ध परियोजनाएं	58
2.	प्रलेखन	एजेसी बोस आईबीबीजी, हावड़ा	364
		ए एन एंड क्षेत्रीय केंद्र	231
		एपी क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर	4180
		एआरआईडी जोन, आरसी, जोधपुर	561
		सीएनएच, हावड़ा	शून्य
		सीआरसी, इलाहाबाद	1051
		डीआरसी, हैदराबाद	178
		ईआरसी, शिलांग	710
		एचएडब्ल्यू हिमालयन आरसी, सोलन	576
		एनआरसी, देहरादून	1970
		सिक्किम एचआरसी, गंगटोक	7193
		एसआरसी, कोयंबटूर	5734
		डब्ल्यूआरसी, पुणे	4355
		इंडस्ट्रियल सेक्शन इंडिया म्यूजियम, कोलकाता	शून्य

		प्रकाशन/तकनीकी प्रभाग, मुख्यालय कोलकाता	400
		*बाहरी रूप से निधि बद्ध परियोजनाएं	4050
3.	नई प्रजाति दर्ज	एजेसी बोस आईबीबीजी, हावड़ा	24
		ए एन एंड क्षेत्रीय केंद्र	11
		एपी क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर	05
		एआरआईडी जोन, आरसी, जोधपुर	01
		सीएनएच, हावड़ा	05
		सीआरसी, इलाहाबाद	03
		डीआरसी, हैदराबाद	04
		ईआरसी, शिलांग	13
		एचएडब्ल्यू हिमालयन आरसी, सोलन	शून्य
		एनआरसी, देहरादून	शून्य
		सिक्किम एचआरसी, गंगटोक	02
		एसआरसी, कोयंबटूर	09
		डब्ल्यूआरसी, पुणे	07
		इंडस्ट्रियल सेक्शन इंडिया म्यूजियम, कोलकाता	शून्य
		प्रकाशन/तकनीकी प्रभाग, मुख्यालय कोलकाता	शून्य
		*बाहरी रूप से निधिबद्ध परियोजनाएं	10
4.	प्रकाशन	एजेसी बोस आईबीबीजी, हावड़ा	१३
		ए एंड एन क्षेत्रीय केंद्र	41
		एपी क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर	23
		एआरआईडी जोन, आरसी, जोधपुर	29
		सीएनएच, हावड़ा	1
		सीआरसी, इलाहाबाद	15
		डीआरसी, हैदराबाद	28
		ईआरसी, शिलांग	89
		एचएडब्ल्यू हिमालयन आरसी, सोलन	06
		एनआरसी, देहरादून	13
		सिक्किम एचआरसी, गंगटोक	17
		एसआरसी, कोयंबटूर	28
		डब्ल्यूआरसी, पुणे	54
		इंडस्ट्रियल सेक्शन इंडिया म्यूजियम, कोलकाता	शून्य
		प्रकाशन/तकनीकी प्रभाग, मुख्यालय कोलकाता	05
		*बाहरी रूप से निधिबद्ध परियोजनाएं	22

एजेसी बोस इंडियन बॉटैनिकल गार्डन, हावड़ा में किए गए 164 पौधों के एक्स-सीटू संरक्षण के अलावा।

*****